क्रांति समय
हिन्दी दैनिक अखबार में विज्ञापन, प्रैस नोट, जन्म दिन की शुभकामनाएँ, या अपने विस्तार में किसी भी समस्या को अखबार में प्रकाशित करने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 9879141480

दैनिक
क्रांति समय

RNI.No. : GUJHIN/2018/75100

क्रांति समय
हमारे यहां पर एल.आई.सी., कार-बाईक-ट्रक का इन्सयोरेंशन, रेल टिकट, एयर टिकट बनवाने के लिए संपर्क करें:-
बी-4 घंटी वाला कॉम्पलेक्ष उधना तीन रास्ता, उडुप्पी होटल के बगल में, सूरत-394210
मो. 8980974047

संपादक : सुरेश मौर्या मो. 9879141480
E-mail: krantisamay@gmail.com
सूरत, वर्ष: 02 अंक: 56, बुधवार, 20 मार्च, 2019, पेज: 4, मुल्य 1 रु.
रजीस्ट्रड ऑफिस:- 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात
Email: krantisamay@gmail.com Web site : www.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

लोकसभा चुनाव 2019: दिल्ली में कांग्रेस और आप के गठबंधन पर लगी मुहर- सूत्र

नेशनल डेस्क। लोकसभा चुनाव को लेकर दिल्ली में कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) के बीच गठबंधन पर बात बन चुकी है। सूत्रों के मुताबिक, दोनों पार्टी गठबंधन को लेकर राजी हो गई हैं। हालांकि अभी सीटों के बंटवारे को लेकर कुछ भी निकलकर सामने नहीं आया है कि कौन कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगा। इससे पहले सोमवार को आम आदमी पार्टी के नेता गोपाल राय ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि कांग्रेस ने गठबंधन को लेकर अब बहुत देर कर दी है। उन्होंने बताया कि दिल्ली की सभी सात सीटों के लिये पार्टी के उम्मीदवार घोषित होने के बाद कांग्रेस के साथ गठबंधन की अब कोई संभावना नहीं है। पार्टी अपने उम्मीदवारों को वापस नहीं लेगी, इसलिये गठबंधन की कोई गुंजाइश नहीं है। उन्होंने कहा कि अब हम इस निष्कर्ष पर पहुंच गये हैं कि कांग्रेस दिल्ली को लेकर गंभीर नहीं है। क्योंकि जिस राज्य में कांग्रेस गंभीर है वहां उनके प्रयास जारी हैं। इसीलिये रविवार को हमने अपना सातवां उम्मीदवार घोषित कर दिया। वहीं कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष और तीन कार्यकारी अध्यक्षों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी को गठबंधन के खिलाफ पत्र लिखा था। पिछले हफ्ते लिखे गए पत्र में दीक्षित और कार्यकारी अध्यक्ष हारून यूसुफ, देवेंद्र यादव और राजेश लिलोठिया ने गठबंधन पर कार्यकर्ताओं का मूड जानने के लिए फोन सर्वेक्षण पर विरोध जताया था। दिल्ली कांग्रेस के एक नेता ने बताया,' दीक्षित और कार्यकारी अध्यक्षों ने कांग्रेस प्रमुख से गुजारिश की थी कि वह 'आप' से गठबंधन नहीं करें क्योंकि यह दीर्घकाल में पार्टी को नुकसान पहुंचाएगा।' नेता ने कहा कि उन्होंने पार्टी की शक्ति ऐप्प के जरिए किए गए फोन सर्वेक्षण पर भी ऐतराज जताया था। यह सर्वेक्षण दिल्ली कांग्रेस के एआईसीसी प्रभारी पीसी चाको ने कराया था

लोकसभा चुनाव 2019: कांग्रेस ने जारी की 56 उम्मीदवारों की पांचवी लिस्ट

नेशनल डेस्क। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए सोमवार की रात अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची जारी कर दी जिसमें उत्तर प्रदेश, आंध्र प्रदेश, ओडिशा, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और लक्षद्वीप की 56 सीटों पर उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। इसके साथ ही आंध्र विधानसभा चुनाव के लिए 132 और ओडिशा विधानसभा सीटों के लिए 36 सीटों पर भी पार्टी ने उम्मीदवार घोषित किये हैं। पार्टी महासचिव मुकुल वासनिक की ओर से जारी बयान के मुताबिक उत्तर प्रदेश की तीन, आंध्र प्रदेश की 22, असम की पांच, ओडिशा की छह, तेलंगाना की आठ, पश्चिम बंगाल की 11 और लक्षद्वीप की एक लोकसभा सीट पर उम्मीदवार घोषित किये गए हैं। उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद से डॉली शर्मा, बुलन्दशहर से बंशीलाल पहाडिया और मेरठ से हरेंद्र अग्रवाल को टिकट दिया गया है। मेरठ से पहले ओमप्रकाश शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया था। पश्चिम बंगाल में जांगीपुर से पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के पुत्र अभिजीत मुखर्जी, बहरामपुर से अधीर रंजन चौधरी और रायगंज से दीपा दास मुंशी को उम्मीदवार बनाया गया है।

लोकसभा चुनाव 2019:

भाजपा के हाथ में गोवा की कमान, पार्टी के लिए सुरक्षा कवच बने शाह और गडकरी

नेशनल डेस्क।

गोवा के मुख्यमंत्री मनोहर पार्रिकर के निधन के बाद सत्ता की कुंजी भाजपा को दोबारा मिलने की कहानी में पर्दे के पीछे के नायक भाजपा अध्यक्ष अमित शाह और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी रहे हैं। घटनाक्रम से अवगत सूत्रों के अनुसार नयी सरकार के गठन में अवरोध उभर आये थे। भाजपा के सहयोगी दलों के अडियल रवैये से गतिरोध बनता दिखता रहा था। इन सहयोगी दलों की कोशिश थी कि अधिक से अधिक फायदा हासिल कर लिया जाए। पर अंततः इन दो वरिष्ठ नेताओं ने अपने तजुर्बे और कौशल से मैदान मार ही लिया। पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। गौरतलब है कि साल 2017 में जब भाजपा विधानसभा चुनावों में बहुमत पाने से पिछड़ गई तो ऐसे कठिन समय में गडकरी तारणहार बन कर यहां पहुंचे और इस तटीय राज्य में छोटे दलों को अपने पाले में करने में सफल रहे। उनकी इसी सूझबूझ की वजह से भाजपा की सरकार बनी और पार्रिकर के सिर पर नेतृत्व का सेहरा बंधा। पार्टी सूत्रों ने कहा कि भाजपा ने पहले ही भांप लिया था कि पार्रिकर के चले जाने से राज्य में संकट उभरेगा ही। इसकी वजह यह थी कि छोटे दलों के साथ हुआ गठबंधन इस बात पर ही टिका था कि पार्रिकर सरकार के खिवैया बनें। अग्नाशय के कैंसर से जूझ रहे पार्रिकर ने जब रविवार को अंतिम श्वांस ली तो भगवा पार्टी तुरंत ही सक्रिय हो गई। उधर सहयोगी महाराष्ट्रवादी गोमांतक पार्टी के विधायक बैठक करने के लिए एकत्र होने लगे थे। भाजपा के दूसरे सहयोगी दल गोवा फारवर्ड पार्टी (जीएफपी) के विजय सरदेसाई अपने पार्टी के सदस्यों के साथ और निर्दलीय विधायकों ने भी बैठक शुरू कर दी। जब यह तय हो गया कि नेतृत्व बदला जायेगा तो भाजपा ने राज्य की सियासी नब्ज को पहचानने वाले गडकरी को भेजा। उनसे कहा गया कि वे राज्य में पार्टी की निजामत बने रहने के लिए हर दांव तैयार रखें। सूत्रों ने बताया कि गडकरी सरकार का समर्थन कर रहे हर एक विधायक से बात करने में पूरी रात व्यस्त रहे लेकिन मतैक्य नहीं उभर पा रहा था। दरअसल बात यह थी कि भाजपा प्रमोद सावंत के नाम को आगे बढ़ाना चाह रही थी पर एमजीपी के सुदीन धावलिकर ने मुख्यमंत्री पद के लिए अपना नाम आगे सरका कर समस्या खड़ी कर दी। मामला काबू से बाहर होता उस समय नजर आया जब जीएफपी और अन्य लोगों ने मुख्यमंत्री पद के लिए विश्वजीत राणे का नाम उछाल दिया। सोमवार सुबह तक इन तीनों नामों को लेकर कई दौर की बातचीत हुई पर वे सब बेनतीजा ही रहीं। समय तेजी से बीत रहा था और अब कांग्रेस ने सरकार बनाने का दावा पेश करके भाजपा की परेशानी पर और बल डाल दिये। अब भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने बातचीत की बागडोर संभाली और अपने विधायकों और एमजीपी विधायकों के साथ एक होटल में बैठक की और उसके बाद राज्य में कमल एक बार फिर खिलना तय हो गया। सभी दल इस बात पर सहमत हो गये कि सावंत ही नए मुख्यमंत्री

और सरदेसाई एवं धावलिकर उपमुख्यमंत्री होंगे। भाजपा को उम्मीद थी कि सावंत रात नौ बजे शपथ ले लेंगे लेकिन अंतिम समय में गाड़ी एक फिर खटक गई। गडकरी ने ऐसे संकट में बातचीत की कमान संभाली और साझा न्यूनतम कार्यक्रम और सत्ता में भागीदारी पर सहयोगी दलों को रिझा कर ही माने और अंततः रात डेढ़ बजे भाजपा के नेतृत्व वाला गठबंधन राजभवन की ओर रवाना हो गया जहां उन्होंने राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया और कुछ मिनटों बाद सावंत और 11 मंत्रियों को शपथ दिला कर सारे घटनाक्रमों का पटाक्षेप कर दिया गया।

अखिलेश ने बताया आखिर क्यों किया बसपा से गठबंधन

लखनऊ।

समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने मंगलवार को कहा कि पार्टी संस्थापक मुलायम सिंह यादव ने बसपा से रिश्ते कायम किये थे और वह उन रिश्तों को ठीक करना चाहते हैं। अखिलेश ने एक टीवी चैनल के कार्यक्रम में कहा,''नेताजी (मुलायम) ने पूर्व में बसपा के साथ गठबंधन करके एक रिश्ता बनाया था। हमें तो सम्बन्ध ठीक करना था। सही बात बताना था।'' अखिलेश से सपा और बसपा के गठबंधन पर मुलायम की नकारात्मक प्रतिक्रिया के बारे में सवाल पूछा गया था। इस सवाल पर कि क्या सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव इस बार प्रधानमंत्री बनेंगे, सपा अध्यक्ष ने कहा''अभी तक तो नहीं, मगर उन्हें उचित सम्मान दिया जाएगा।'' खुद के आजमगढ़ सीट से चुनाव लड़ने की सम्भावनाओं के बारे में पूछे जाने पर अखिलेश ने कहा,''आजमगढ़ जिला इकाई से ऐसा कोई प्रस्ताव तो आने दीजिये।'' यह पूछे जाने पर कि बसपा के लिये उत्तर प्रदेश की 80 में से 38 सीटें छोड़े जाने से क्या सपा कमजोर होगी और उन सीटों पर टिकट चाहने वाले नेता सपा को नुकसान पहुंचाएंगे, अखिलेश ने कहा कि गठबंधन से पहले हम भाजपा को गोरखपुर, फूलपुर और कैराना लोकसभा तथा नूरपुर विधानसभा उपचुनाव में हरा चुके हैं। सपा और बसपा के नेता दोनों पार्टियों के गठबंधन के लिये मानसिक रूप से तैयार थे। लिहाजा अब कोई दिक्कत नहीं होगी। इस सवाल पर कि क्या हाल में पाकिस्तान पर हुई सर्जिकल स्ट्राइक से देश का मिजाज भाजपा के पक्ष में हो गया है, सपा प्रमुख ने कहा,''भाजपा लोगों का ध्यान भटकाने में माहिर है। हर कोई जानता है कि अगर अमेरिका और अन्य देशों ने भारत का समर्थन ना किया होता तो भारतीय पायलट अभिनंदन वर्धमान की सुरक्षित स्वदेश वापसी नहीं हो पाती। यह काम भाजपा की वजह से नहीं हुआ था।'' उन्होंने एक सवाल पर कहा कि किसानों की दुर्दशा, बेरोजगारी और भाजपा के झूठे वादे आगामी लोकसभा चुनाव में तीन प्रमुख मुद्दे होंगे। प्रदेश के युवा इस बार भाजपा को हराएंगे।

पुलवामा हमले के बाद जनता के आगे... धुंधला पड़ा मोदी का 'मास्टर स्ट्रोक'

जालंधर। सत्ता फिर से हासिल करने के लिए आतुर केन्द्र में भाजपा की सरकार चुनावी साल के आखिरी महीनों में भी 'मास्टर स्ट्रोक' खेलने से नहीं चूकी। पी.एम. नरेंद्र मोदी ने आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर हर वह 'मास्टर स्ट्रोक' खेला जो भाजपा को सत्ता के दरवाजे पर फिर से खड़ा कर सके। यहां हम गरमाए हुए सियासी माहौल में पी.एम. मोदी के उस 'मास्टर स्ट्रोक' की बात कर रहे हैं जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर सवर्णों को 10 फीसदी आरक्षण देने के निर्णय पर मोहर लगा दी गई। राजनीतिज्ञों की मानें तो 5 राज्यों में चुनाव हारने के बाद भाजपा को महसूस हुआ कि एस.सी.-एस.टी. मामले पर उन्हें जो नुक्सान हुआ है उसकी भरपाई के लिए सवर्ण वर्ग को 10 फीसदी आरक्षण देकर की जा सकती है। यही वजह है कि मोदी सरकार ने इस ब्रह्मास्त्र का इस्तेमाल लोकसभा चुनाव के मद्देनजर किया। मोदी ने नई तरह की सोशल इंजीनियरिंग इजाद की। लिहाजा लोकसभा में आरक्षण बिल को लाने के बाद राज्यसभा में 9 जनवरी को इसे पारित कर दिया गया। यह अलग बात है कि 14 फरवरी को पुलवामा हमले के बाद मोदी का यह 'मास्टर स्ट्रोक' आम जनता के आगे धुंधला गया। साल 2011 में मायावती ने तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह को लिखा था जिसमें सरकारी नौकरियों और शैक्षणिक संस्थाओं में गरीब सवर्णों को आरक्षण दिए जाने की वकालत की गई थी। इससे पूर्व 2009 के लोकसभा चुनाव में मायावती ने वायदा किया था पार्टी सत्ता में आई तो अगड़ी जाति को आरक्षण देगी। मायावती ने 2015 और 2017 में भी गरीब सवर्णों को आरक्षण देने की मांग की थी। सपा के अलावा आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री और तेलगू देशम पार्टी के प्रमुख एन. चंद्रबाबू नायडू, माकपा और लोजपा भी सवर्णों को आर्थिक आधार पर आरक्षण देने की पक्षधर थी।

अमित शाह ने इंजीनियरों की गिरफ्तारी को लेकर राहुल गांधी पर साधा निशाना

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने मोदी समर्थक नारा लगाने पर बेंगलुरू में कुछ इंजीनियरों को कथित तौर पर गिरफ्तार करने को लेकर मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधा और कहा कि युवा भविष्य को दिशा देने का काम करते हैं और उन्हें भारत के युवाओं को डराना बंद करना चाहिए जिन्होंने आपकी राजनीति के ब्रांड को खारिज कर दिया है। शाह ने ट्वीट किया, '' टुकड़े टुकड़े गैंग को गले लगाना और मोदी समर्थक नारे लगा रहे शांतिपूर्ण युवाओं को गिरफ्तार करना ? अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के चैम्पियन कहां हैं ? कांग्रेस के युवराज को पता होना चाहिए कि जिस ओर युवा चलता है उस ओर युग चलता है। भारत के युवाओं को डराना बंद करें, जिन्होंने आपकी राजनीति के ब्रांड को खारिज कर दिया है।'' भाजपा अध्यक्ष ने अपने ट्वीट के साथ अपनी पार्टी की कर्नाटक इकाई के एक पोस्ट को भी टैग किया जिसमें कहा गया है कि बेंगलुरू में टेक पार्क में मोदी समर्थक नारा लगाने के कारण कुछ इंजीनियरों को राज्य की पुलिस ने हिरासत में ले लिया था। वहीं, भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि कल राहुल गाँधी स्टार्ट-अप के लोगों से बात करने टेक पार्क, बेंगलुरु गए थे जहां प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के समर्थन में नारे लगा रहे कुछ तकनीकी विशेषज्ञों को कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने गिरफ्तार कर लिया।

मिशन 2019:

मोदी 31 मार्च को 500 जगहों पर लाखों 'चौकीदारों' से करेंगे संवाद

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जनांदोलन बन चुके अपने 'मैं भी चौकीदार हूं' अभियान से जुड़े लाखों लोगों से देश के 500 स्थानों पर 31 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये संवाद करेंगे। भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं केन्द्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी दी। प्रसाद ने कहा कि मोदी का 'मैं भी चौकीदार हूं' अभियान करोड़ों लोगों का एक व्यापक जनान्दोलन बन गया है। इस अभियान से डॉक्टर, इंजीनियर, पेशेवर, वकील, किसान, युवा, महिलाएं, कर्मचारी आदि जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया पर यह एक दिन विश्वव्यापी ट्रेंड था जबकि भारत में दो दिन तक तक ट्रेंड चला है। प्रधानमंत्री मोदी के इस अभियान के समर्थन में 20 लाख लोगों ने ट्वीट किए और 1680 करोड़ इम्प्रेशन आए हैं। एक करोड़ लोगों ने संकल्प लिया है और इतने ही लोगों ने इस अभियान के वीडियो को देखा है। प्रसाद ने कहा कि प्रधानमंत्री 31 मार्च को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से देश के 500 स्थानों पर लाखों विभिन्न 'चौकीदारों' से संवाद करेंगे।

इन लोगों में पार्टी के कार्यकर्ता, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के नेता, पेशेवर, किसान, दलित एवं आदिवासी, पूर्व सैनिक, खिलाड़ी, महिलायें आदि शामिल होंगी। उन्होंने कहा कि भाजपा देश की आम जनता का अभिनंदन करना चाहती है जो करोड़ों की संख्या में इस अभियान से जुड़ रहे हैं। इसे दुनिया को असाधारण संदेश गया है कि लोग भ्रष्टाचार एवं कुशासन से लडना चाहते हैं। प्रसाद ने कांग्रेस पर हमला करते हुए कहा कि कुछ लोगों को इस अभियान से परेशानी हो रही है। उन्होंने कहा कि जो लोग जमानत पर हैं, जिनकी पार्टी, परिवार एवं संपत्ति संकट में है और जिनके पास छिपाने के लिए है, उन्हें ही इस अभियान से परेशानी हो रही है। केन्द्रीय मंत्री ने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा के चौकीदार अभियान के बारे में दिए गए बयान के हवाले से कहा कि कुछ लोग कह रहे हैं कि चौकीदार तो अमीरों के होते हैं। उन्हें कैसे समझाया जाए कि जो लोग सत्ता में थे, वे गरीबों का करोड़ों रुपये लूट कर खा रहे थे और ये चौकीदार उसे रोकने के लिए आये हैं। उन्होंने कहा कि जो लोग सुख, सुविधाओं में पैदा हुए हैं, वे टिप्पणी कर रहे हैं।

विचारधाराओं की लड़ाई है 2019 का लोकसभा चुनावः राहुल

कलबुर्गी।

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने 2019 के लोकसभा चुनाव को विचारधाराओं की लड़ाई बताते हुए जनता से अपील की कि वे यह ध्यान रखें कि कांग्रेस किसी अन्य पार्टी (भारतीय जनता पार्टी-भाजपा) से नहीं बल्कि एक विचारधारा से लड़ रही है। गांधी ने सोमवार को आयोजित'परिवर्तन रैली'को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि देश को केवल एक ही व्यक्ति चलाए। उन्होंने कहा,'मोदी ने कहा था कि जब वह सत्ता में आए थे तो 'हाथी सो रहा था। क्या वह यह जतलाना चाहते हैं कि उनके प्रधानमंत्री बनने से पहले देश सो रहा था और कुछ भी नहीं किया जा रहा था। क्या यह सच है?' उन्होंने कहा, ' मोदी गंदी और फूट डालने की राजनीति कर रहे हैं। वह अल्पसंख्यक समुदायों, विशेषकर दलितों पर अत्याचार कर रहे हैं। यह सभी को याद है कि दलित छात्र रोहित वेमुला आत्महत्या करने के लिए क्यों विवश हुआ।' उन्होंने कहा कि एक ओर देश में 15 ऐसे सबसे अमीर उद्यम हस्तियां हैं , जिन्होंने देश के अधिकांश धन

इकट्ठा किया है तथा निजी स्कूलों, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और यहां तक कि चार्टर्ड विमानों तक उनकी आसान पहुंच है।

10 लाख से अधिक निकासी पर आईटी की नजर, इस नंबर पर करें संपर्क

नई दिल्ली।

आयकर विभाग के जांच निदेशालय ने आम चुनाव में अघोषित धनराशि के उपयोग पर रोक लगाने के उद्देश्य से टॉल फ्री नंबर 1800117574 जारी किया है जिस पर इस तरह के लेनदेन के बारे में जानकारी दी जा सकती है। इसके साथ ही जिला निर्वाचन अधिकारियों को भी बैंक खाते से 10 लाख रुपये से अधिक की निकासी करने वालों के बारे में आयकर विभाग को जानकारी देने के लिए कहा गया है। सूत्रों ने कहा कि कार्यालय आयकर महानिदेशक (अन्वेषण) दिल्ली ने चुनाव आयोग की सलाह पर यह टॉल फ्री नंबर जारी किया गया है। पूरे देश में 25 कंट्रोल रूम भी स्थापित किये गये हैं और प्रत्येक क्षेत्र के लिए एक एक नोडल अधिकारी भी नियुक्त किये गये हैं। ये नोडल अधिकारी संबंधित क्षेत्र के आयकर के प्रमुख निदेशक से सलाह मशविरा कर प्राप्त जानकारी के अनुसार जांच पड़ताल या सर्वे के लिए वांरट प्राप्त करेंगे। आम चुनाव के मद्देनजर आचार संहिता लागू होने के कारण कोई भी व्यक्ति 10 लाख रुपये से अधिक राशि या एक किलोग्राम सर्राफा लेकर नहीं चल सकता है। यदि कोई व्यक्ति लेकर चलता है तो उसे नकद या सर्राफा के बारे में साक्ष्य लेकर चलना होगा। साक्ष्य पुख्ता नहीं पाये जाने पर संबंधित

व्यक्ति के विरूद्ध आयकर विभाग आवश्यक कार्रवाई करेगा। इसके साथ ही जिला निर्चाचन अधिकारी को खाते से 10 लाख रुपये से अधिक की राशि निकासी करने वालों के बारे में जानकारी जुटाकर कंट्रोल रूम को देनी होगी।

संपादकीय

अब की बार लोकपाल

इसे संयोग कहें या सरकारों की मंशा कि लोकपाल का मुद्दा ठीक आम चुनाव से पहले सरगर्म होता है। पहले भी लोकपाल बिल वर्ष 2014 के आम चुनाव से ठीक पहले प्रभाव में आया था। इस बार भी यदि सब कुछ सामान्य रहा तो लोकसभा चुनाव से ठीक पहले लोकपाल की नियुक्ति हकीकत बन सकती है। जाहिर है मोदी सरकार उसका राजनीतिक श्रेय भी लेना चाहेगी। ऐसे दौर में जब देश में आचार संहिता लागू हो चुकी है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई, लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन, कानूनविद् मुकुल रोहतगी की चयन समिति ने शुक्रवार को जस्टिस पिनाकी चंद्र घोष के नाम की सिफारिश देश के पहले लोकपाल के लिये की है। पी. सी. घोष वर्ष 2017 में सुप्रीमकोर्ट से सेवानिवृत्त हुए और इस वक्त राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य हैं। लोकसभा में विपक्ष के नेता कांग्रेस सदस्य मल्लिकार्जुन खड़गे चयन प्रक्रिया में शामिल नहीं हुए। उल्लेखनीय है कि लोकपाल की मांग को लेकर वर्ष 2012 में सामाजिक कार्यकर्ता अन्ना हजारे के नेतृत्व में देशव्यापी आंदोलन हुआ था और तत्कालीन संप्रग सरकार ने जनदबाव में लोकपाल कानून लाने का फैसला किया था। आशा है कि लोकपाल संस्था देश में सभी भ्रष्टाचार निरोधी प्रणालियों को मजबूत करने का काम करेगी। निःसंदेह लोकपाल की नियुक्ति को लेकर सरकार की सक्रियता शीर्ष न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिये गये सख्त निर्देशों के फलस्वरूप ही सामने आई है। सरकार से सवाल पूछा जा सकता है कि वर्ष 2014 में लोकपाल कानून अस्तित्व में आने के बाद लोकपाल की नियुक्ति में पांच साल क्यों लगे। यदि नेता प्रतिपक्ष का सवाल तब था तो आज भी वह सामने ही था। कहीं न कहीं इस लेटलतीफी के पीछे सत्ताधीशों की मंशा पर सवाल खड़े होते हैं। बहरहाल, लोकपाल की नियुक्ति की प्रक्रिया से इस विश्वास को तो संबल मिलता ही है कि देश में भ्रष्टाचार रोधी एक प्रभावी व विश्वसनीय व्यवस्था आकार ले पायेगी। अभी लोकपाल व्यवस्था के निर्माण, अन्य सदस्यों के चुनाव, इसकी कार्यप्रणाली तथा पहले से भ्रष्टाचार रोकने के लिये कार्यरत संस्थाओं के साथ तालमेल स्थापित करने संबंधी सवाल सामने हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश में अब ऐसी व्यवस्था कायम हो सकेगी जो नेताओं और नौकरशाहों के कदाचार पर अंकुश लगायेगी। साथ ही जनता सही मायनो में राहत महसूस कर सकेगी। यह भी विश्वास किया जाना चाहिए कि लोकपाल की प्रभावी भूमिका राज्यों में लोकायुक्त की कार्यप्रणाली की विसंगतियों से मुक्त होगी। बहरहाल हालिया घटनाक्रम को पारदर्शी लोकतंत्र के लिये शुभ संकेत तो माना ही जा सकता है।

अभी लोकपाल व्यवस्था के निर्माण, अन्य सदस्यों के चुनाव, इसकी कार्यप्रणाली तथा पहले से भ्रष्टाचार रोकने के लिये कार्यरत संस्थाओं के साथ तालमेल स्थापित करने संबंधी सवाल सामने हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि देश में अब ऐसी व्यवस्था कायम हो सकेगी जो नेताओं और नौकरशाहों के कदाचार पर अंकुश लगायेगी।

दाग न लगने दिया दामन में

श्रद्धांजलि/ सतीश पेडणेकर

बतौर विपक्षी नेता उनके भाषणों में दूरदर्शिता और जोश था और इसने उन्हें प्रदेश में लोकप्रिय बनाया। आईआईटी से इंजीनियरिंग की उपाधि लेने वाले परिकर सोशल इंजिनियरिंग में भी माहिर थे। संघ से मिली सादगी और अनुशासन को उन्होंने बरकरार रखा, मगर जब राजनीतिक समीकरण की बात आई तो व्यावहारिक रुख अपनाया। नामांकन पर्चा दाखिल करने से पहले आशीर्वाद लेने के लिए चर्च जाकर उन्होंने राज्य के कैथोलिक समुदाय के बीच पैठ बनाई। चर्च से खाई को पाटा और ऐसा रु ख अपनाया, जो पार्टी के विचार के विपरीत था।

मनोहर परिकर के बारे में गोवा में कहा जाता है, उन्होंने कभी अपने आम आदमी होने का ढिंढोरा नहीं पीटा, कभी सादगी का बखान नहीं किया मगर वे आम आदमी के पोस्टर ब्वॉय बन गए थे। सादगी का आलम यह कि मुख्यमंत्री बनने के बाद भी उन्होंने अपना सादगीपूर्ण जीवन जरा भी नहीं बदला, लालबत्ती और कार के बिना वे हाफ बांह वाली शर्ट और चप्पल पहने साइकिल या मोटरसाइकिल पर गोवा की सड़कों पर अक्सर घूमते नजर आ जाते थे। मगर इस सादगी में भी उनकी खूबियां छिप नहीं पाती थी। कोई उन्हें ''मिस्टर क्लीन' कहता कोई ''मैन विथ प्लान'। भाजपा के लिए तो वे अपरिहार्य नेता थे, जो चार बार मुख्यमंत्री बने।भाजपा को गोवा की सत्ता में लाने का श्रेय उनको ही जाता है। हालांकि यह काम आसान नहीं था। गोवा में ईसाइयों की आबादी 30 प्रतिशत है, उस पर भाजपा की छवि सांप्रदायिक और हिंदुत्ववादी पार्टी की मगर परिकर के प्रयत्नों से भाजपा न केवल सत्ता में आई वरन राज्य में आयाराम गयाराम का दौर खत्म होकर स्थिर सरकार का दौर शुरू हुआ। बतौर विपक्षी नेता उनके भाषणों में दूरदर्शिता और जोश था और इसने उन्हें प्रदेश में लोकप्रिय बनाया। आईआईटी से इंजीनियरिंग की उपाधि लेने वाले परिकर सोशल इंजिनियरिंग में भी माहिर थे। संघ से मिली सादगी और अनुशासन को उन्होंने बरकरार रखा, मगर जब राजनीतिक समीकरण की बात आई तो व्यावहारिक रुख अपनाया। नामांकन पर्चा दाखिल करने से पहले आशीर्वाद लेने के लिए चर्च जाकर उन्होंने राज्य के कैथोलिक समुदाय के बीच पैठ बनाई। चर्च से खाई को पाटा और ऐसा रु ख अपनाया, जो पार्टी के विचार के विपरीत था। उन्होंने अपने ढंग से अल्पसंख्यकों, जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग को खुश करने के लिए काम किया। अपनी इन प्रतिभाओं के बल पर जल्द ही पूरे राज्य में बीजेपी को स्थापित कर दिया। संघ के पसंदीदा तो वे थे ही, किंतु साथ-साथ उन्होंने अल्पसंख्यकों के बीच भी अच्छी पैठ बनाई। 2012 के राज्य विधानसभा चुनाव में जब पार्टी को अपने दम पर 40 सदस्यों वाली विधानसभा में 21 सीटों के साथ बहुमत मिला तो करीब एक तिहाई विधायक अल्पसंख्यक समुदाय से थे। सीएम बनने के बाद उन्होंने गोवा में फैले भ्रष्टाचार, अवैध माइनिंग के आरोप में कई कांग्रेस नेताओं पर कार्रवाई की और इसने उन्हें जनता के बीच फैसले लेने वाला सीएम के तौर पर स्थापित किया। 13 मार्च 2017 को मनोहर परिकर ने गोवा के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब वे चौथी बार मुख्यमंत्री बने। इसके बाद उनकी अनेक उपलब्धियां रहीं। ''भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव' को अकेले गोवा लाने का और किसी भी अन्य सरकार से कम समय में एक अंतरराष्ट्रीय स्तर की मूलभूत संरचना खड़ी करने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है। कई समाज सुधार योजनाओं जैसे दयानंद सामाजिक सुरक्षा योजना जो कि वृद्ध नागरिकों को आर्थिक सहायता प्रदान करती है, साइबरएज योजना, सी.एम. रोजगार योजना इत्यादि में भी उनका प्रमुख योगदान रहा है। प्लानिंग कमीशन ऑफ इंडिया और इंडिया टुडे के द्वारा किये गए सर्वेक्षण के अनुसार उनके कार्यकाल में गोवा लगातार तीन साल तक भारत का सर्वश्रेष्ठ शासित प्रदेश रहा। पिछले चुनाव में भाजपा की जीत के बाद परिकर फिर मुख्यमंत्री बने थे, लेकिन परिकर को बाद में केंद्र सरकार में रक्षा मंत्री बना दिया गया और लक्ष्मीकांत पार्सेकर को मुख्यमंत्री बनाया गया। इसके बाद पार्टी में गुटबाजी हावी हो गई। पिछले चुनावों में महाराष्ट्र गोमांतकवादी पार्टी ने गोवा में भाजपा के साथ मिलकर चुनाव लड़ा था, लेकिन परिकर के रक्षा मंत्री बनने के बाद से ही भाजपा और एमजीपी में टकराव बढ़ने लगा। एक बात स्पष्ट हो गई कि गोवा में राजनीतिक स्थिरता के लिए परिकर अपरिहार्य हैं। इसलिए पिछले विधानसभा चुनाव में गोवा में मुख्यमंत्री कौन होगा, इसे लेकर भाजपा ने अपने पत्ते नहीं खोले। भाजपा इस दुविधा में थी कि वह परिकर के चेहरे पर चुनाव लड़े या सीएम लक्ष्मीकांत पार्सेकर के चेहरे पर। अगर पार्सेकर का नाम चुनाव से पहले घोषित किया जाता है तो राज्य में उनके नाम पर वोट पड़ेंगे और ऐसे में भाजपा को परिकर की लोकप्रियता का फायदा नहीं मिल सकेगा। परिकर रक्षा मंत्री रहते हुए भी देश के एयर डिफेंस प्लांस में कई बदलाव लाए। आमतौर पर अपने नर्म मिजाज के लिए प्रसिद्ध होने के बावजूद जरूरत पड़ने पर वे तीखी और विवादास्पद टिप्पणी करने से भी नहीं चूकते थे। परिकर ने फिर पुरानी बहस को छेड़ा कि कैसे हमारे कुछ प्रधानमंत्रियों ने खुफिया एजेंसी (रॉ) को बधिया बना दिया। परिकर ने कहा कि पाकिस्तान में खुफिया नेटवर्क यानी डीप एसेट तैयार करने में 20 से 30 साल लग जाते हैं। कुछ ऐसे प्रधानमंत्री हुए हैं, जिन्होंने इस तरह के डीप एसेट को खतरे में डाल दिया था। अब तक खुफिया हलकों में दबी जुबान में कुछ प्रधानमंत्रियों द्वारा खुफिया एजेंसी रॉ के बारे में लिये गए आत्मघाती फैसलों पर चर्चा होती थी, लेकिन किसी रक्षामंत्री ने इस तरह पूर्व प्रधानमंत्री के फैसलों पर सवाल नहीं उठाया। परिकर ने किसी प्रधानमंत्री का नाम नहीं लिया था परंतु उनका इशारा पूर्व प्रधानमंत्री आई के गुजराल और मोरारजी देसाई की तरफ था। इन दोनों ने रॉ के पाकिस्तान में चल रहे अभियानों पर रोक लगाई थी, जिससे भारत का काफी नुकसान हुआ। मनोहर परिकर को देश में राजनीति के भविष्य के संकेतों को समझने वाले के तौर पर भी देखा जाएगा। 2013 में परिकर बीजेपी के पहले अग्रणी नेताओं में से थे, जिन्होंने नरेन्द्र मोदी का नाम उस वक्त बीजेपी के पीएम कैंडिडेट के तौर पर आगे किया था। केवल सांप्रदायिक और सामाजिक सदभाव और राजनीतिक स्थिरता के लिए ही परिकर को याद नहीं किया जाता, वरन भ्रष्टाचार के खिलाफ निरंतर युद्ध और संतुलित विकास के लिए भी याद किया जाता है। अंतिम समय में कैंसर जैसी असाध्य बीमारी से ग्रस्त होने के बावजूद पार्टी के आदेश पर मुख्यमंत्री पद की जिम्मेदारी निभाते रहे। परिकर के बाद राज्य में भाजपा सरकार पर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। अभी तक परिकर सरकार को समर्थन दे रहे सहयोगी दलों का कहना है कि उन्होंने परिकर सरकार को समर्थन दिया था, भाजपा को नहीं। अब उनके पास विकल्प खुले हैं।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।

वृषभ आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।

कर्क आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।

सिंह पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

धनु संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।

कुम्भ जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।

मीन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

इस रहस्य को समझ लें, तो बेड़ा पार

- डॉ. दीपक आचार्य

जीवन का प्रत्येक कर्म साधना है जिसमें परिश्रम से सफलता पायी जा सकती है। यह परिश्रम हम स्वयं को ही अपने व्यक्तिगत स्तर पर करना होता है। कोई दूसरा हमें अपनी साधना में सहयोग कर सकता है, इसका प्रत्यक्ष सहभागी नहीं हो सकता। हर जीवात्मा अकेला धरती पर जन्म लेता है और अकेले ही वापस लौट जाता है। उसके साथ कोई नहीं जाता। न घर-बार,सम्पत्ति, सगे-संबंधी और सांसारिक पदार्थ या अन्य व्यक्ति, चाहे कितने ही अभिन्न और प्रिय ही क्यों न हों। इसलिए हर जीवात्मा को अपने आत्मोत्थान और ऊर्ध्वगमन की दिशा पाने के लिए स्वयं को परिश्रम करना पड़ता है। कोई दूसरा उसमें बाहरी तौर पर सहयोगी जरूर बन सकता है, प्रोत्साहन और मार्गदर्शन दे सकता है किन्तु ऊर्जा और दिव्यता का संग्रह करने के लिए जीवात्मा को अकेले ही मेहनत करनी पड़ती है। इस दृष्टि से मानसिक, शारीरिक और परिवेशीय हर प्रकार का कर्म जीवन साधना का ही हिस्सा है। यह रही लोक व्यवहार की बात, जिसका हर पक्ष सांसारिक होता है और इसमें कर्म संपादन से लेकर सफलता पाने तक के सभी रास्ते लोक से जुड़े हुए हैं यानि की सभी प्रकार के कर्मों का वास्ता संसार से पड़ता है। इसलिए इसमें विभिन्न स्तरों पर अलग-अलग मानसिकता वाले लोगों से काम पड़ता है। इनमें प्रमुख रूप से तीन प्रकार के लोग होते हैं। सात्विक, राजसी और तामसिक। आजकल इनमें दूसरी किस्में और जुड़ गई हैं। कुछ लोग तीनों ही वृत्तियों के मिश्रण होते हैं। इनके बारे में कभी पता नहीं चलता कि इनकी तासीर क्या है। कुछ लोग आधे या पूरे पागलों की तरह होते हैं, इनके बारे में यह नहीं कहा जा सकता कि कौनसी बात इन्हें कब अच्छी या बुरी लग जाए। इसी प्रकार एकतरफा भ्रमों का आवरण ओढ़ कर अपनी-अपनी शंकाओं और अपने पागलपन में जीने वालों की भी सब तरफ जबर्दस्त भरमार है। यह तो रही सांसारिक लोकाचार की बात। इससे थोड़ा सा ऊपर उठकर सोचें और दैवीय साधनाओं की बात करें तो वहाँ सांसारिकों से कहीं अधिक अदृश्य और आकाशी बाधाओं का सामना करना पड़ता है। जो इंसान प्रकृति से जितना अधिक संघर्ष करता है, ईश्वर की ओर उन्मुख होने की कोशिश करता है, अपने भाग्य को पछाड़ कर कर्म, त्याग या तपस्या के बल पर कुछ पाने का प्रयास करता है, मनुष्येतर किसी भी योनि के ऊपरी लोकों से संपर्क करने या देवी-देवताओं की कृपा पाने की दिशा में कदम बढ़ाता है, उसे नाना प्रकार की समस्याओं, बाधाओं और विषम-विपरीत परिस्थितियों से सामना करना ही पड़ता है। यह वह ध्रुव सत्य है जो युगों-युगों से पुरखों द्वारा अनुभव किया जाता रहा है। हर आशातीत सफलता और सिद्धि बाधाओं की छाती पर विजय के बाद ही प्राप्त होती है। ईश्वर को पाने या उसकी कृपा से रूबरू होने के रास्तों में सेवा-परोपकार या जप-तप साधना मुख्य हैं। जो लोग साधना करते हैं उन्हें धीरे-धीरे दिव्यता का अहसास होने के साथ ही अपने आप के दूसरों से एकदम अलग होने तथा ईश्वरीय विभूतियों का अनुभव होना आरंभ हो जाता है। लेकिन यह उन्हीं को होता है जिनकी साधना संसार के दिखावे से दूर है, जिनका लक्ष्य इंसानों को दिखाना, आडम्बर करना और अपने आपको साधक कहलवा देना नहीं होना चाहिए। सच्ची साधना करने वाले लोग अपनी साधना को संसार से छिपा कर करते हैं, ये सारे पाखण्डों से दूर रहकर पूरी निष्ठा के साथ अपने इष्ट देव या देवी की साधना में रमे रहते हैं। तकरीबन सभी प्रकार के साधकों का यह कटु अनुभव रहा है कि ईश्वरीय मार्ग को पकड़ लेने और साधना आरंभ करने के बाद आत्मीय शांति और सुकून का अनुभव तो होता है लेकिन इसके साथ ही अनपेक्षित अवरोध भी आते रहते हैं। यह अवरोध उन लोगों को ज्यादा आते हैं जो संसार और ईश्वर दोनों को राजी रखना चाहते हैं और अपनी साधना में संसार को अथवा संसार में रमण करते हुए साधना का मिश्रण कर देने के आदी होते हैं। इस स्थिति वाले साधकों की जिन्दगी पेण्डुलम की तरह हो जाती है क्योंकि कभी वे सांसारिक आनंद को पाने की आकांक्षा में डूब जाते हैं और कभी भगवदीय मार्ग को अपनाने में रम जाते हैं। इन हालातों में ये साधक दोनों ही रास्तों पर भटकते रहते हैं और इनकी हालत ''दुविधा में दोनों गए, माया मिली न राम'' जैसी होकर रह जाती है। निष्काम और निरपेक्ष साधकों के लिए अपने जीवन में आने वाली हर घटना-दुर्घटना, अच्छा-बुरा, चाहा-अनचाहा भगवान का प्रसाद ही होता है और इसलिए वे इन आकस्मिक बाधाओं और सभी प्रकार की परेशानियों से मुक्त रहते हैं। ऐसे साधक ईश्वरीय साक्षात्कार शीघ्र पा लेते हैं। लेकिन हम सभी के लिए यह उच्चावस्था पाना सामान्य नहीं है इसलिए अपने सामने आने वाले हर प्रकार के संकट बड़े और भारी लगते हैं तथा कई बार साधना करते हुए अश्रद्धा के भाव भी जगते हैं। अक्सर साधकों के सामने ऐसे-ऐसे अजीबोगरीब संकट आ जाते हैं जिनकी कल्पना कोई नहीं कर सकता। और ये सब संकट अनायास और आकस्मिक रूप से आ धमकते हैं। ऐसा इसलिए होता है कि प्रकृति और नियति हमें अपने भाग्य से बाँधे रखना चाहती है, ईश्वर हमारे संकल्पों की दृढ़ता और सिद्धि के लिए उपयुक्त भावभूमि की तलाश करना चाहता है अथवा साधक को दृढ़ निश्चयी और अनन्य भाव से परिपूर्ण बनाना चाहता है। साधना के मार्ग को अपनाने के बाद संकटों और समस्याओं से दो-चार होना ही पड़ेगा क्योंकि इन्हीं के माध्यम से हमारे पूर्वजन्मों के नकारात्मक भावों और पापों का निवारण होना होता है तभी हमें उस स्तर की शुचिता प्राप्त हो पाती है जिससे कि हमारा हृदय ईश्वरीय शक्तियों के लिए बेहतर मंच बन सके। परम शुचिता आने तक यह सब ऐसे ही होता रहता है। भगवान साधक को चरम सुख और दैवीय आनंद तथा दैवी सम्पदा तभी देता है जब उसके पूर्वजन्मों तथा वर्तमान जन्म के सभी प्रकार के पापों का क्षय हो जाए और उसके बाद पुण्यों का भोग भी कर ले। पुण्य भोग की शुरूआत से पहले भगवान सारे पापों यानि की दुःखों को न्यूनतम स्तर पर लाकर भुक्तमान करा देता है और उसके बाद ही पुण्यों यानि की सुखों की नॉन स्टॉप शुरूआत अधिकतम स्तर पर करने लगता है। ऐसा इसलिए होता है क्योंकि जब भगवान प्रसन्न होता है तब इसके बाद साधक या भक्त के जीवन में दुःखों का अंत हो जाता है, फिर कभी कोई दुःख नहीं आता क्योंकि वह हमारे समस्त पापों का भोग पहले ही करवा चुका होता है। आमतौर पर देखा यह जाता है कि साधकों के लिए साधनाकाल में हमेशा अपनी साधना की नियमितता और निरन्तरता को खण्डित करने के लिए या तो प्रलोभन सामने आएंगे अथवा ऐसी बाधाएं जो अपरिहार्य हैं। क्योंकि साधना करने वाले को शीघ्र से शीघ्र फल या वरदान प्रदान करने के इच्छुक देवी या देवता उसके मार्ग की समस्त नकारात्मकता और पूर्वजन्मकृत प्रारब्ध को नष्ट करने के लिए सारी विपदाएं और मानसिक तनाव पहले ही ला देते हैं ताकि साधक इनके होकर गुजरे और जितना जल्दी हो उसके ये कर्म क्षय हो जाएं। साधना में विखण्डन या बाधाओं की स्थिति दो ही प्रकार से आ सकती है। एक तो ईश्वरीय शक्तियां अपने संकल्प, तीव्रता और श्रद्धा की थाह पाना चाहती हैं और दूसरा जीवात्मा के संचित पाप कर्मों को जितना जल्द हो सके, उसके खाते से समाप्त करवा देना चाहती हैं।

फर्जी खबरों की महामारी से जान गंवाते बच्चे

संविता शर्मा

बुरी खबरें तेजी से फैलती हैं, और बदतर खबरें उनसे कहीं अधिक तीव्रता से अपने पांव पसारती हैं। बीते शुक्रवार को क्राइस्टचर्च (न्यूजीलैंड) की मस्जिदों में हुई गोलीबारी के वीडियो क्लिप, जिसे हमलावर ने फेसबुक पर लाइव प्रसारित किया था, मिनटों में लाखों लोगों द्वारा साझा किए गए। और यह तब हुआ, जब फेसबुक, यू-ट्यूब और ट्विटर जैसी सोशल मीडिया साइटों ने इन फुटेज को हटाने का काम शुरू कर दिया था। ठीक इसी तरह, सोशल मीडिया पर फेक न्यूज, यानी फर्जी खबरें अधिक तेजी से फैलती हैं, और अब तो आंकड़े भी इसे साबित करने लगे हैं। अमेरिकी शोधार्थियों ने अपने अध्ययन में पाया है कि 1,500 लोगों तक सच्ची खबरों को पहुंचने में फर्जी खबरों के मुकाबले छह गुना अधिक वक्त लगता है। अपने इस शोध के लिए उन्होंने 2006 से 2017 के ट्विटर डाटा का इस्तेमाल किया था। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) मीडिया लैब के इन शोधकर्ताओं की मानें, तो फर्जी खबरों के री-ट्वीट किए जाने की आशंका 70 फीसदी अधिक होती है। उन्होंने कुल 1,26,000 न्यूज स्टोरी का विश्लेषण किया था, जिसको लगभग 30 लाख लोगों ने 45 लाख से अधिक बार ट्वीट किया था। साइंस जर्नल में पिछले हफ्ते प्रकाशित इस अध्ययन के मुताबिक, फर्जी खबरें सच के मुकाबले अधिक तेजी से फैली थीं और नए लोगों द्वारा कहीं अधिक री-ट्वीट की गईं। आखिर फर्जी खबरें इतनी तेजी से क्यों फैलती हैं? शोधकर्ता बताते हैं कि नयापन और इंसानी संवेदना को झकझोरने वाली सूचनाएं फर्जी खबरों की प्रमुख वाहक रहीं। यह भी पाया गया कि चौंका देने वाली जानकारियां काफी ज्यादा शेयर की गईं। आतंकवाद, प्राकृतिक आपदा, विज्ञान, शहरी मिथक या वित्तीय सूचनाओं पर फर्जी राजनीतिक खबरें भारी रहीं। इस अध्ययन का एक आश्चर्यजनक निष्कर्ष यह भी है कि रोबोट और एल्गोरिद्म भी खबरों को बांट पाने में विफल साबित हुए और उन्होंने समान दर से सच्ची व फर्जी खबरों का प्रसार किया। इसका अर्थ यह है कि गलत खबरों को फैलाने वाले लोग होते हैं, एल्गोरिद्म या रोबोट नहीं। फर्जी खबरों के प्रचार-प्रसार को समझना उनको रोकने की दिशा में उठाया गया पहला कदम है। सोशल मीडिया पर साझा की जाने वाली ऐसी ही गलत सूचनाएं सार्वजनिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरा बन गई हैं और हजारों बच्चों के जीवन को खतरे में डाल रही हैं। खसरे जैसी घातक बीमारियों से बच्चों के बचाव के प्रयासों को पटरी से उतारने में सोशल मीडिया के वैक्सीन-विरोधी मुहिम का बड़ा हाथ है। यह बीमारी न सिर्फ मौत की वजह बनती है, बल्कि कई अन्य रोगों को भी न्योता दे देती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, खसरा-रूबैला वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित हैं और इसने सन 2000 के बाद से 2.1 करोड़ बच्चों की जान बचाई है। लेकिन असामाजिक तत्वों द्वारा इसके खिलाफ फर्जी खबरें प्रसारित करने की वजह से कई लोग टीकाकरण से दूरी बरत रहे हैं। नतीजतन, 2016 के बाद से दुनिया भर में खसरे के मामलों में 30 फीसदी की वृद्धि हुई है, और 2017 में इसके 67 लाख मामलों में 1.10 लाख मौत की खबर है। अपने यहां पिछले साल इसके 55,399 मामले सामने आए थे। अमेरिकी किशोर ईथेन लिंडनबर्गर अपनी मां की इच्छा के खिलाफ टीका लगवाने की वजह से पिछले महीने दुनिया भर में छाए रहे।

इस नौजवान ने अमेरिकी सीनेट की स्वास्थ्य समिति को बताया कि फेसबुक की खबरों के कारण मां उन्हें टीका लगवाने से रोक रही थीं। बुधवार को अमेरिकन मेडिकल एसोसिएशन ने अमेजन, फेसबुक, गूगल, ट्विटर, पिनटेरेस्ट, यू-ट्यूब जैसे सोशल मीडिया के बड़े प्लेटफॉर्म से यह आग्रह किया कि वे अपने यहां एंटी-वैक्सीन समूहों को गलत सूचना फैलाने से रोकें। खसरा-रूबेला वैक्सीन नौ से 15 साल के बच्चों को दो खुराक में दी जाती है, और दिल्ली सहित भारत के कई हिस्सों में भी माता-पिता इन्हीं फर्जी खबरों के कारण अपने बच्चों को यह टीका नहीं लगवा रहे हैं। बहरहाल, सच सामने आ चुका है। अब आपको तय करना है कि सूचना का आपका स्रोत विश्वसनीय हो।

चीनी उत्पादन 15 मार्च तक 6फीसदी बढ़कर हुआ 273.47 लाख टन

बिजनेस डेस्क।

देश का चीनी उत्पादन, सितंबर 2019 को समाप्त होने वाले चालू विपणन वर्ष में 15 मार्च तक छह प्रतिशत बढ़कर 273.47 लाख टन हो गया। उद्योग के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र और कर्नाटक में अधिक उत्पादन से यह वृद्धि हुई है। इन राज्यों में चीनी मिलों ने जल्दी उत्पादन शुरू कर दिया था। भारतीय चीनी मिल संघ (इस्मा) ने एक बयान में कहा कि देश में पिछले वर्ष की इसी अवधि में 258.20 लाख टन चीनी का उत्पादन हुआ था। इस्मा ने कहा, वर्ष 2018-19 के दौरान 527 चीनी मिलें परिचालन में रहीं और उन्होंने अक्टूबर से 15 मार्च 2019 तक इस चीनी सत्र में 273.47 लाख टन चीनी का उत्पादन किया है। लगभग 154 मिलों ने पेराई बंद कर दी और 373 चीनी मिलों ने अपने पेराई कार्यों को जारी रखा हुआ है। महाराष्ट्र और कर्नाटक में चीनी मिलें तेजी से परिचालन बंद कर रही हैं और उनका पेराई सत्र बंद होने के कगार पर है। इस्मा के अनुसार, 15 मार्च तक महाराष्ट्र में चीनी का उत्पादन 100.08 लाख टन था, जबकि एक साल पहले की इसी अवधि में यह 93.84 लाख टन था। उत्तर प्रदेश में चीनी उत्पादन 2017-18 के विपणन वर्ष की इसी अवधि के 84.39 लाख टन की तुलना में इस बार लगभग 84.14 लाख टन का रहा। कर्नाटक में चीनी उत्पादन पहले के 35.10 लाख टन की तुलना में इस बार 42.45 लाख टन रहा। इस्मा ने इससे पहले 2018-19 में देश का चीनी उत्पादन 307 लाख टन रहने का अनुमान व्यक्त किया था जो अनुमान विपणन वर्ष 2017-18 के 325 लाख टन के हुए उत्पादन से कम था।

घर खरीदारों को बड़ी राहत, जीएसटी काउंसिल ने मंजूर किए नए नियम

नई दिल्ली।

गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की 34वीं बैठक में घर खरीदने वालों को बड़ा तोहफा मिला है। सूत्रों के मुताबिक जीएसटी काउंसिल की बैठक में 1 अप्रैल से अंडर कंस्ट्रक्शन पर 5 फीसदी जीएसटी लागू होगा। अंडर कंस्ट्रक्शन पर बिना (इनपुट टैक्स क्रेडिट) के 5 फीसदी जीएसटी लागू होगा। जीएसटी काउंसिल ने नए रियल प्रोजेक्ट पर 1 अप्रैल से 5 फीसदी जीएसटी लगेगा। मौजूदा प्रोजेक्ट में इस बात की छूट रहेगी कि वो मौजूदा रेट दें और लें या फिर नया त्नस्न्न चुकाएं लेकिन उस सूरत में नहीं मिलेगा। काउंसिल की 24 फरवरी की बैठक में अंडर कंस्ट्रक्शन फ्लैट और सस्ते घरों पर जीएसटी रेट को घटाकर क्रमशः 5 फीसदी और 1 फीसदी कर दिया था। इसकी नई दरें एक अप्रैल से प्रभावी होंगी। अभी अंडर कंस्ट्रक्शन प्रॉपर्टी या रेडी-टू-मूव फ्लैट (जहां बिक्री के समय कम्प्लीशन सर्टिफिकेट जारी नहीं किया जाता है) के भुगतान पर इनपुट टैक्स क्रेडिट के साथ 12त्न जीएसटी लगता है. सस्ते मकानों पर जीएसटी की दर 8त्न है. अगर आसान शब्दों में समझें तो जान लीजिए 100 रुपये का कच्चा माल बिस्किट बनाने के लिए कारोबारी खरीदने गया। इस पर कच्चा माल सप्लाई करने वाले ने 12 फीसदी टैक्स चुकाया तो निर्माता को कच्चे माल के लिए 112 रुपए देने पड़े लेकिन ये 12 रुपए जो टैक्स भरा गया वो लागत से अलग होगा। अब इस कच्चे माल से निर्माता ने बिस्किट बनाया और उस पर अपना मार्जिन रखा 8 रुपए। इसके बाद निर्माता बिस्किट को थोक विक्रेता को बेचेगा। निर्माता को 18 फीसदी जीएसटी लगेगा, 108 रुपए पर 19 रुपए 44 पैसे तो थोक विक्रेता को देने पड़ेंगे 127 रुपए 44 पैसे। अब तक चुकाए गए टैक्स के ऊपर टैक्स लगता था।

सैमसंग ने दमदार फीचर्स के साथ उतारा किफायती गैलेक्सी ए 10 स्मार्टफोन

नई दिल्ली ।

सैमसंग के सबसे किफायती स्मार्टफोन गैलेक्सी ए 10सोमवार से पूरे देश में रिटेल और ऑनलाइन बिक्री के लिए उपलब्ध हो गया। सैमसंग ने पिछले महीने घोषणा करते हुए बताया था कि 8490 रुपये का गैलेक्सी ए 10 आकर्षक लाल, नीले और काले रंगों में उपलब्ध होगा। गैलेक्सी ए 10 खास तौर से युवा ग्राहकों की जरूरतों को पूरा करने के लिए बना है। इसमें शक्तिशाली बैट्री, शानदार कैमरा और मनमोहक डिस्प्ले है, इन सब खूबसूरती के साथ यह स्मार्टफोन ग्राहकों को बेजोड़ अनुभव देगा। गैलेक्सी ए 10 में 6.2 इंच इन्फीनीटी-वी डिस्प्ले, 13 एमपी का रियर कैमरा जिसका एपर्चर एफ 1.9 है और 5 एमपी का सेल्फी कैमरा फेस रिकग्नीशन के साथ है। इसमें 3,400 एमएएच की शक्तिशाली बैट्री है। कंपनी ने कहा कि सैमसंग गैलेक्सी ए 10 स्मार्टफोन बिक्री के लिए सभी रिटेल स्टोर के साथ-साथ एमेजन, फ्लिपकार्ट, पेटीएम और कंपनी की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध होंगे।

नीरव मोदी की गिरफ्तारी किसी भी वक्त, लंदन कोर्ट ने जारी किया वारंट

लंदन ।

देश के बैंकों को 13 हजार करोड़ का चूना लगाकर भाग चुके नीरव मोदी पर शिकंजा कस गया है। ताजा घटनाक्रम में ब्रिटेन की अदालत ने नीरव मोदी के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया है। ये वारंट प्रवर्तन निदेशालय के आग्रह पर जारी किया गया है। इसका मतलब है कि कभी भी नीरव मोदी को गिरफ्तार किया जा सकता है। हाल ही नीरव लंदन की सड़कों पर देखा गया था, जबकि उसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी हो चुका है, जिसके बाद ब्रिटेन की वेस्टमिंस्टर कोर्ट ने इस मामले को गंभीरता लिया है और गिरफ्तारी वारंट जारी कर दिया।

सीबीआई ने इंटरपोल और यूके अथॉरिटीज से सम्पर्क साधकर भगोड़े कारोबारी के खिलाफ जारी रेड कॉर्नर नोटिस पर कार्रवाई कर तुरंत गिरफ्तारी की मांग की थी। एजेंसियां लंबे समय से नीरव मोदी का ब्रिटेन से प्रत्यर्पण कराने की कोशिश में जुटी है। यूके से मोदी के प्रत्यर्पण की आधिकारिक मांग पिछले साल जुलाई/अगस्त में की गई थी। भगोड़ा हीरा कारोबारी नीरव मोदी लंदन में शानो-शौकत की जिंदगी जी रहा है। खबर है कि वह लंदन के वेस्ट एंड इलाके के जिस अपार्टमेंट में रह रहा है उसकी कीमत 73 करोड़ रुपये के आसपास है। हाल ही में वह मीडिया के कैमरे में कैद हुआ था। द टेलिग्राफ के एक विडियो में नीरव मोदी लंदन की सड़कों पर बेफिक्र होकर घूमता दिखा था।

पुणे हवाई अड्डे पर वायुसेना के विमान में आई गड़बड़ी, 16 उड़ान प्रभावित

पुण। पुणे के लोहेगांव हवाईअड्डे की हवाईपट्टी को सोमवार को भारतीय वायुसेना के एक लड़ाकू विमान में गड़बड़ी की वजह से दो घंटे तक बंद रखना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि इससे 16 उड़ान प्रभावित हुईं। लोहेगांव हवाईअड्डे की हवाईपट्टी का इस्तेमाल वायुसेना के साथ ही वाणिज्यिक नागरिक उड़ानों द्वारा भी होता है। हवाईअड्डा अधिकारियों द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक सुबह 11 बजकर 20 मिनट पर तकनीकी गड़बड़ी की वजह से लड़ाकू विमान वहां अटक गया और उसे दोपहर बाद डेढ़ बजे हटाया गया, जिस दौरान हवाईपट्टी का संचालन बंद रहा। अधिकारियों ने कहा कि इस दौरान किसी उड़ान को हालांकि रद्द नहीं करना पड़ा। अधिकारियों ने कहा कि छह उड़ानों को यहां से रवाना होना था उनमें देरी हुई जबकि आने वाली तीन उड़ानों को दूसरी जगह भेजा गया- दो को मुंबई और एक को हैदराबाद-। दो उड़ानों के यहां उतरने में देरी हुई ।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह पहुंचा 10 लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली।

शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 16 मार्च तक 10 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया। कर की चौथी और अंतिम अग्रिम किश्त का भुगतान प्राप्त होने से कर संग्रह इस स्तर पर पहुंचा है। सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। हालांकि, पूरे देश से अग्रिम कर संग्रह का आंकड़ा आना अभी बाकी है। उन्होंने बताया कि प्राथमिक आकलन बताता है कि शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 10 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर चुका है। पूरे वित्त वर्ष के दौरान 12 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष कर संग्रह का लक्ष्य रखा गया है। वित्त वर्ष 2018-19 की अप्रैल-जनवरी अवधि में शुद्ध प्रत्यक्ष कर संग्रह 7.89 लाख करोड़ रुपए रहा था। सरकार ने पहले चालू वित्त वर्ष में 11.5 लाख करोड़ रुपये के प्रत्यक्ष कर संग्रह का अनुमान रखा था। लेकिन वित्त वर्ष 2019-20 के अंतरिम बजट में इसे संशोधित किया गया और लक्ष्य को 50,000 करोड़ रुपये और बढ़ा दिया गया। पिछले हफ्ते आर्थिक मामलों के सचिव सुभाष चंद्र गर्ग ने कहा था, '' प्रत्यक्ष कर संग्रह के मोर्चे पर हम लक्ष्य पाने को लेकर आश्वस्त हैं। लेकिन अप्रत्यक्ष कर संग्रह में कूछ कमी आ सकती है।'' सरकार ने अंतरिम बजट में सीमाशुल्क

संग्रह लक्ष्य को संशोधित कर 1.12 लाख करोड़ रुपये से 1.30 लाख करोड़ रुपये कर दिया था। वहीं माल एवं सेवाकर (जीएसटी) संग्रह के लक्ष्य को 6.43 लाख करोड़ रुपये कर दिया। यह पूर्व में लक्षित 7.43 लाख करोड़ रुपये के अनुमान से कम है।

हालांकि, अगले वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह बढ़कर 7.61 लाख करोड़ रुपये होने की उम्मीद जताई गई है।

उत्तमहिंद्रा समृद्धि इंडिया एग्री अवार्डस में कृषि नायकों का सम्मान

नई दिल्ली ।

महिंद्रा समूह के अंग महिंद्रा एंड महिंद्रा के फार्म इक्विपमेंट सेक्टर ने सोमवार रात महिंद्रा समृद्धि इंडिया एग्री अवार्डस (एमएसआईएए) 2019 वितरित किए। वर्ष 2011 में शुरू किया गया महिंद्रा समृद्धि इंडिया एग्री अवार्डस किसानों और कृषि संस्थानों को कृषि के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने वालों को सम्मानित करने के लिए दिया जाता है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अमिताभ कांत इस सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि थे। केंद्रीय सचिव, कृषि विभाग, सहकारी एवं कृषक कल्याण संजय अग्रवाल भी इस अवसर पर मौजूद रहे। महिंद्रा ने फार्मिंग 3.0 के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई। कंपनी द्वारा वर्ष 2017 में लॉन्च किया गया फार्मिंग 3.0 उन्नत कृषि तकनीकों पर आधारित है और यह कृषि तकनीकी समृद्धि को आगे बढ़ाने के समेकित प्रयास के लिए कृषि क्षेत्र के विभिन्न शेयरधारकों की सहक्रियाओं को प्रभावी तरीके से उपयोग में लाता है। फार्मिंग 3.0 के प्रमुख घटकों में स्मार्ट फार्म मशीनरी, प्रेसिजन फार्मिंग, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स, कस्टम हायरिंग सर्विसेज और कनेक्ट विद द इकोसिस्टम शामिल हैं। डॉ. ई.ए. सिद्दीक को कृषि क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के लिए महिंद्रा समृद्धि कृषि शिरोमणि सम्मान के लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड 2019 से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें धान की फसल (बासमती और गैर-बासमती) की उत्पादकता बढ़ाने में उनके योगदान के लिए दिया गया। महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड के प्रबंध निदेशक, डॉ. पवन गोयनका ने कहा, ÷किसानों द्वारा दिया गया योगदान इस आधुनिक दौर की कृषि को दर्शाता है, जिसकी खुशी हम अपने वार्षिक सम्मानों के जरिए मनाते हैं। महिंद्रा एग्री विलेज (एमएवी) प्रोग्राम के तहत, हमने 50 से अधिक गांवों के साथ मिलकर काम किया है। हमारी प्रेरणा पहल ने कृषि की कठिनाई को कम करने और ज्ञान एवं आवश्यक क्षमताओं के वितरण हेतु जेंडर-न्यूट्रल कृषि उपकरणों को लाकर 40 से अधिक गांवों की लगभग 2000 महिलाओं को सशक्त बनाया है। हमारा मानना है कि ये हस्तक्षेप परिवर्तनकारी हैं और इनसे फार्मिंग 3.0 को आवश्यक गति मिलेगी, जिससे देश में कृषि प्रौद्योगिकी समृद्धि बढ़ेगी। इस वर्ष पुरस्कारों के लिए देश के कृषि/गैर-कृषि श्रेणी से 63,758 नामांकन प्राप्त हुए, जबकि पिछले वर्ष 62,916 नामांकन प्राप्त हुए थे। अब तक, इन अवार्डस में 3.8 लाख से अधिक किसान हिस्सा ले चुके हैं। इसके तहत राष्ट्रीय स्तर पर 2,11,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया जाता है वहीं क्षेत्रीय पुरस्कारों के तहत 50,000 रुपये दिए जाते हैं।

550 करोड़ भुगतान के बाद आरकोम के शेयर को मिला बूस्ट, शेयर 10फीसदी चढ़े

बिजनेस डेस्क। आखिर मुसीबत के समय भाई ही भाई के काम आया। संकट की घड़ी में बड़े भाई मुकेश अंबानी ने छोटे भाई अनिल अंबानी को सहारा दिया और एरिक्सन के बकाये के भुगतान में मदद की। अनिल अंबानी ने सही समय पर मदद करने के लिए बड़े भाई मुकेश और भाभी नीता अंबानी का धन्यवाद किया और आभार जताया वहीं कर्ज चुकाने की खबर से रिलायंस कम्युनिकेशंस यानी के शेयर को तगड़ा बूस्ट मिला। मंगलवार को आरकॉम के शेयर की मजबूत ओपनिंग हुई, जिसमें 10 फीसदी की मजबूती के साथ अपर सर्किट लग गया। इसके अलावा अनिल धीरूभाई अंबानी ग्रुप के दूसरे शेयरों की मजबूत शुरुआत हुई। दरअसल, यह मामला अनिल के नेतृत्व वाली रिलायंस कम्युनिकेशंस पर दूरसंचार उपकरण बनाने वाली स्वीडन की कंपनी एरिक्सन के करीब 550 करोड़ रुपये के बकाया का निपटारा करने से जुड़ा है। उच्चतम न्यायालय के आदेश के मुताबिक अनिल को मंगलवार तक एरिक्सन का बकाया चुकाना था अन्यथा उन्हें न्यायालय की मानहानि के मामले में जेल जाना पड़ता। आरकॉम का शेयर 10 फीसदी मजबूती के साथ 4.40 रुपए पर खुला, जिसमें ट्रेडिंग के कुछ ही मिनटों में 10 करोड़ शेयरों में कारोबार हो गया। वहीं रिलायंस कैपिटल का शेयर लगभग 5 फीसदी की मजबूती के साथ 189 रुपए पर कारोबार कर रहा है। रिलायंस इन्फ्रास्ट्रक्चर का शेयर 4 फीसदी मजबूत होकर 140 रुपए के आसपास बना हुआ है। रिलायंस पावर का शेयर भी लगभग 5 फीसदी की मजबूती के साथ कारोबार कर रहा है। अंबानी के खिलाफ बना था अवमानना का मामला सुप्रीम कोर्ट ने आरकॉम द्वारा स्वीडन की कंपनी का बकाया नहीं चुकाए जाने को अंबानी के खिलाफ कोर्ट की अवमानना का मामला माना था और कर्ज से दबी कंपनी को चार हफ्ते के भीतर इरिक्सन को बकाया चुकाने या तीन हीने की जेल के लिए तैयार रहने के लिए कहा था।

संक्षिप्त समाचार

सोना 140 रुपए महंगा, चांदी 235 रुपए उछली

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर दोनों कीमती धातुओं में रही तेजी के बीच कम भाव पर हुई खुदरा जेवराती खरीदारी से दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोना 140 रुपए चमककर 32,970 रुपए प्रति दस ग्राम पर पहुंच गया। इस दौरान औद्योगिक ग्राहकी आने से चांदी भी 235 रुपए की छलांग लगाकर 38,960 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर के टूटने से अंतर्राष्ट्रीय बाजार में पीली धातु में मजबूती बनी हुई है। लंदन का सोना हाजिर 2.25 डॉलर चमककर 1,305.50 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया। अप्रैल का अमेरिकी सोना वायदा भी 3.80 डॉलर की तेजी के साथ 1,305.30 डॉलर प्रति औंस बोला गया। विदेशी बाजारों में चांदी हाजिर भी 0.05 डॉलर की तेजी के साथ 15.36 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

एंबैसी ऑफिस के रीयल एस्टेट निवेश ट्रस्ट निर्गम को पहले दिन 20 प्रतिशत अभिदान

बिजनेस डेस्क। एंबैसी ऑफिस पार्क के सार्वजनिक निर्गम को पहले दिन 20 प्रतिशत अभिदान मिला। यह देश का पहला रीयल एस्टेट निवेश ट्रस्ट (रेइट) निर्गम है। एनएसई पर उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार निर्गम में कुल 7,12,56,400 इकाइयों को जारी किया गया है और पहले दिन 1,39,30,400 यूनिट के लिये बोलियां प्राप्त हुईं। इस निर्गम से 4,750 करोड़ रुपये तक जुटाए जाने की उम्मीद है। इसमें संस्थागत निवेशकों के लिए आरक्षित हिस्से में 30 प्रतिशत और अन्य निवेशकों के हिस्से में सात प्रतिशत अभिदान मिला। निर्गम में प्रति यूनिट मूल्य 299-300 रुपये रखा गया है। यह 20 मार्च को बंद होगा। रीयल एस्टेट निवेश ट्रस्ट एक ऐसा निवेश विकल्प है जो किराये के लिए तैयार की जाने वाली रीयल एस्टेट परिसंपत्तियों पर मालिकाना हक भी रखता है और उनका परिचालन भी करता है।

फेडरल रिजर्व की बैठक से पहले अमेरिकी डॉलर में गिरावट

न्यूयॉर्क। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की दो-दिवसीय बैठक से पहले सोमवार को अमेरिकी डॉलर में अन्य प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के मुताबिक, न्यूयॉर्क ट्रेडिग में सोमवार को यूरो बीते कारोबार में 1.1320 डॉलर के मुकाबले बढ़कर 1.1337 डॉलर रहा। ब्रिटिश पाउंड बीते कारोबार में 1.3285 डॉलर के मुकाबले गिरकर 1.3251 डॉलर रहा।आस्ट्रेलियाई डॉलर बीते कारोबार में 0.7085 डॉलर के मुकाबले बढ़कर 0.7099 डॉलर रहा। अमेरिकी डॉलर रिजर्व ओपन मार्केट कमिटी की बैठक मंगलवार और बुधवार को होनी है। ऐसे में बाजार के प्रतिभागियों की नजर बैठक के अंत में जारी किए जाने वाले फेड के नीतिगत बयान पर रहेगी।

लगातार 5वें दिन डीजल सस्ता, पेट्रोल महंगा

नई दिल्ली । डीजल के दाम में कटौती और पेट्रोल के भाव में बढ़ोतरी का सिलसिला लगातार पांचवें दिन सोमवार को जारी रहा। दिल्ली में पांच दिनों में डीजल 46 पैसे सस्ता हो गया है, जबकि पेट्रोल 37 पैसे महंगा हुआ है। उधर, अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के भाव में नरमी देखी जा रही है। तेल विपणन कंपनियों ने सोमवार को दिल्ली, कोलकाता मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम में सात पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की। डीजल के दाम में दिल्ली और कोलकाता में 15 पैसे, जबकि मुंबई और चेन्नई में 16 पैसे प्रति लीटर की कटौती की गई। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के अनुसार, दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और चेन्नई में पेट्रोल के दाम बढ़कर क्रमशः 72.78 रुपये, 74.86 रुपये, 78.40 रुपये और 75.59 रुपये प्रति लीटर हो गए हैं। चारों महानगरों में डीजल की कीमतें घटकर क्रमश- 66.91 रुपये और 68.70 रुपये, 70.09 रुपये और 70.71 रुपये प्रति लीटर हो गई हैं। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर मार्च एक्सपायरी कच्चा तेल अनुबंध अपराह्न 14.59 बजे 49 रुपये यानी 1.21 फीसदी गिरावट के साथ 3,989 रुपये प्रति बैरल पर बना हुआ था, जबकि इससे पहले 4,030 रुपये से लेकर 3,987 रुपये प्रति बैरल के बीच कारोबार देखा गया। 4,030 रुपये से लेकर 3,987 रुपये प्रति बैरल के बीच कारोबार देखा गया। अंतर्राष्ट्रीय वायदा बाजार इंटरकांटिनेंटल एक्सचेंज (आईसीई) पर ब्रेंट क्रूड का मई डिलीवरी अनुबंध 0.52 फीसदी की गिरावट के साथ 66.81 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ था। वहीं, न्यूयॉर्क मर्के टाइल एक्सचेंज (नायमैक्स) पर अमेरिकी लाइट क्रूड वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट का मई डिलीवरी अनुबंध 0.63 फीसदी की गिरावट के साथ 58.45 डॉलर प्रति बैरल पर बना हुआ था।

यात्रियों के लिए खुशखबरी, ट्रेन में खाने की शुद्धता पहचानने के लिए रेलवे उठाएगा कदम

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे द्वारा परिचालित ट्रेनों में मिलने वाले भोजन के पैकेट पर अब बार कोड होगा, जिससे रेलवे के अधिकारी और यात्री यह पता लगा सकेंगे कि भोजन किस किचन में तैयार किया गया है। रेलवे ने कहा है कि इससे भोजन की गुणवत्ता को लेकर रेलयात्रियों द्वारा की जाने वाली शिकायतों में कमी आएगी। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि मुंबई, दिल्ली, इलाहाबाद, कोलकाता सहित 32 शहरों में उन्नत रेल किचन बनकर तैयार हो गए हैं। नए नियम के अनुसार खाना पकाने व ट्रेनों में आपूर्ति का काम अलग अलग कंपनी-ठेकेदार करेंगे। खाने के पैकेट पर क्यूआर कोड स्टीकर लगाने से खाना पकाने वाले कंपनी, जांच करने वाले अफसर व ठेकेदार का आसानी से पता लगाया जा सकेगा।

इस व्यवस्था से खानपान में उच्च स्तर की गुणवत्ता व स्वच्छता बनी रहेगी। बासी खाने की पैकिंग अथवा किसी प्रकार की गड़बड़ी होने पर सख्त कार्रवाई की जा सकेगी।

फूड सेफ्टी सुपरवाइजर होंगे नियुक्त

रेलवे किचन में खानपान की निगरानी के लिए फूड सेफ्टी सुपरवाइजर नियुक्ति किए जाएंगे। इस कार्य को कॉमर्श एंड इंडस्ट्री मंत्रालय के नेशनल एग्रीडेशन बोर्ड फॉर टेस्टिंग एंड केलिब्रेटिंग लैबस (एनएबीएल) करेगा। सेफ्टी सुपरवाइजर खाना बनाने वाले ठेकेदार-कंपनियों के कामकाज पर निगरानी रखने के अलावा खाने की गुणवत्ता जांचेगा।

पाटीदार आंदोलन के केन्द्र बिंदू रहे सूरत में लगे हार्दिक पटेल के खिलाफ लगे पोस्टर

सूरत। पाटीदार आरक्षण आंदोलन के एपी सेंटर रहे सूरत में हार्दिक पटेल के खिलाफ लोगों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। आंदोलन से निकले हार्दिक पटेल के कांग्रेस में शामिल होने से पाटीदारों खासी नाराजगी नजर आ रही है। सूरत ही नहीं पाटीदार बहुल इलाकों में हार्दिक पटेल का विरोध तेज हो रहा है। अहमदाबाद में हार्दिक पटेल के पुतले का दहन कर लोगों ने आक्रोश जताया। मंगलवार को सूरत के वराछा क्षेत्र में हार्दिक पटेल के विरोध में बैनर लगाए गए। जिसमें हार्दिक पटेल के कांग्रेस में शामिल होने का फैसले को समाज का भरोसा तोड़ने वाला बताया गया है। बैनरों में हार्दिक पटेल को गद्दार कहे जाने के कारण भी बताए गए हैं। साथ ही हार्दिक पटेल पर अल्पेश कथीरिया को जेल में धकेल कर राजनीति में घुसने का आरोप लगाया गया है। हार्दिक पटेल पर राजनीतिक फायदे के लिए 14 पाटीदार युवाओं को शहीद करने का आरोप भी लगा है। आंदोलन के दौरान मारे गए 14 पाटीदार युवाओं के परिवारों को न्याय दिलाए बगैर राजनीति में प्रवेश करने पर हार्दिक पटेल का विरोध किया जा रहा है। जिसके आनेवाले समय में और तेज होने की पूरी संभावना है। यह भी आरोप है कि हार्दिक पटेल पाटीदारों के कई पुत्रों का जीवन बर्बाद कर राजनीति घुस गए। बैनर में प्रत्येक समाज से अनुरोध किया गया है कि जो व्यक्ति पाटीदार समाज का नहीं हुआ, वह अन्य समाज का क्या होगा। साथ ही हार्दिक पटेल के समर्थकों को सोसायटी में प्रवेश नहीं करने की चेतावनी दी गई है। बता दें गत 12 मार्च को राहुल गांधी की उपस्थिति में हार्दिक पटेल ने कांग्रेस का हाथ थाम लिया था। जिसे लेकर अधिकांश पाटीदार नाराज हैं। दो दिन पहले अहमदाबाद में हार्दिक पटेल की आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में काफी हंगामा हुआ था। कार्यक्रम में हार्दिक पटेल और सूरत पास के कन्वीनर अल्पेश कथीरिया के समर्थकों के बीच जमकर मारपीट हुई थी। राजद्रोह के मामले में अल्पेश कथीरिया जेल में हैं।

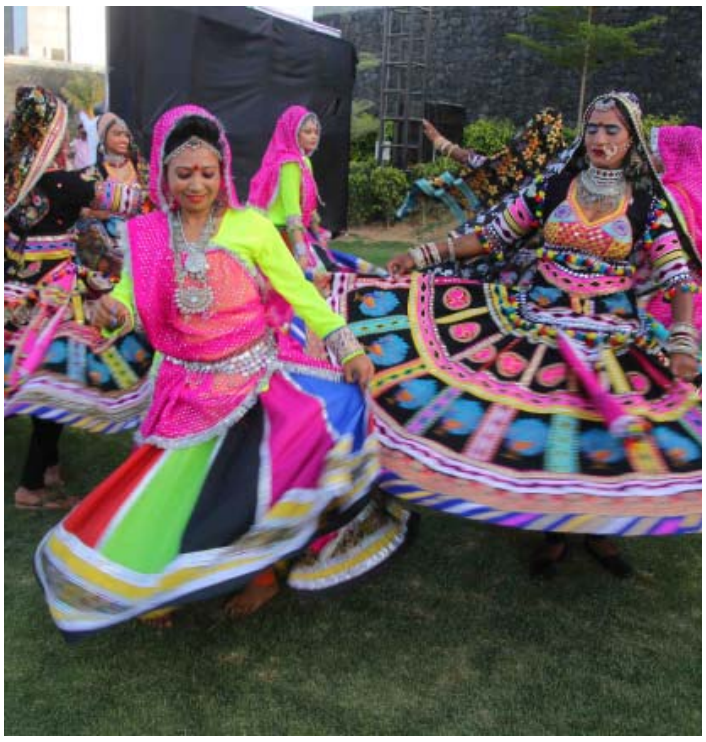

होली-धुलेटी को लेकर तैयारियां शुरू हो गई है। राजस्थानी लोगों में यह त्यौहार का विशेष महत्व रहा है।

वाइब्रेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल सचिन असलम बोर्ड में वार्षिक उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें स्कूल के बच्चों ने इस प्रोग्राम में चार चांद लगा दिए। बच्चों ने डांस, गाने और अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुगद कर दिया।

कॉम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इन्डिया भी सूरत से लड़ेगी लोकसभा चुनाव

सूरत। कॉम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इन्डिया 24 राज्यों में करीब 55 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गुजरात में सूरत में लोकसभा चुनाव में अपना प्रत्याशी उतारने का फैसला किया है। इस पार्टी के प्रत्याशी के रूप में विजय शेणमारे होंगे जो कि भाजपा को चुनौती देंगे। कॉम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इन्डिया के राष्ट्रीय सचिव तथा गुजरात प्रदेश के प्रभारी डॉ. भालचंद्र कांगो ने बताया कि, गुजरात राज्य के सूरत लोकसभा की सीट से एडवोकेट विजय शेणमारे जो कि ट्रेड युनियन लीडर भी हैं उन्हें प्रत्याशी के रूप में उतारा जाएगा। हमारी पार्टी भाजपा को सत्ता से दूर करने की अपील करती है तथा किसान-मजदूरों तथा सामान्य जनता के आवाज को बुलंद करने के लिए हमारे प्रत्याशी को चुनकर भेजा जाए।

3 वर्षीय से लापता बालिका का परिजनों से सुखद मिलन

सूरत। पलसाणा तातीथैया गांव महादेव विला में से लापता हुई तीन वर्षीय बालिका का कडोदरा जीआइडीसी पुलिस ने उसके परिवार से सुखद मिलन करवाया।

कडोदरा पुलिस के अनुसार पलसाणा तातीथैया गाम में दादु मिल के सामने एक तीन वर्षीय बालिका रो रही थी। इस बालिका पर दीललाल छत्रधारी राजवंशी नामक व्यक्ति की नजर पड़ी और उन्होंने मानवता की दृष्टि से बालिका को अपने साथ लिया और कडोदरा जीआइडीसी पुलिस थाने पहुंच गए। पुलिस द्वारा बालिका से संभवित पूछताछ की गयी। बालिका के परिवार को खोजने के लिए पुलिस और लोगों की मेलजोल से बालिका का फोटो मोबाइल में खींच कर खोजबीन शुरू हुई। इसबीच तातीथैया महादेव विला सोसायटी में जांच करने पर मालूम हुआ कि एक बालिका लापता है। यह बालिका महादेव विला में रहने वाले अरुणकुमार उदयप्रताप सिंह तथा लता अरूणकुमार सिंह की है। जिसके बाद पुलिस ने बालिका के माता-पिता को पुलिस थाने बुलवाया और बालिका का कब्जा उसके माता-पिता को सौंपा।

शौचालय में किशोरी का विडियो बनाने का प्रयास

अहमदाबाद। शहर के सरखेज-गांधीनगर हाइवे पर स्थित क्रॉसवर्ड के शो रुम के शौचालय में गई किशोरी की अश्लील विडियो बनाने का प्रयास करने की घटना सामने आने से पूरे क्षेत्र में सनसनी मच गई। किसी अज्ञात व्यक्ति ने दरवाजा की नीचे से मोबाइल द्वारा विडियो बनाने का प्रयास किया गया। किशोरी ने देख लेने से उसने शोर मचाना शुरू कर दिया। यह शख्स फरार हो गया था। वस्त्रापुर पुलिस ने अब पूरे मामले में सीसीटीवी के आधार पर जांच शुरू कर दी और आरोपी शख्स को गिरफ्तार करने के लिए खोजबीन शुरू कर दी है। इस बारे में मिली जानकारी के अनुसार, एसजी हाइवे पर राजपथ क्लब के बगल में मोन्डेल रिटेल पार्क कॉम्पलेक्स में क्रॉसवर्ड बुक स्टोर है। गत दिन शाम को किशोरी यह बुक स्टोर की शौचालय में गई थी। इस दौरान अज्ञात व्यक्ति ने बाथरुम के दरवाजा के नीचे के खुले हिस्से से मोबाइल द्वारा विडियो बनाने का प्रयास किया था। किशोरी ने देख लिया आप क्या करते हो यह कहकर शोर मचाना शुरू कर दिया। दरवाजा खोलने का प्रयास किया। जिसकी वजह से अज्ञात व्यक्ति शौचालय से फरार हो गया। इस मामले में किशोरी के पिता ने वस्त्रापुर पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराने पर पुलिस ने अपराध दर्ज करके क्रॉसवर्ड स्टोर के सीसीटीवी फूटेज लेकर जांच शुरू कर दी है।

महिला उम्मीदवारों ने २६ सीटों पर दावेदारी पेश की

चुनाव को लेकर महिला कांग्रेस सक्रिय हो गई है

राज्य में ४८ फीसदी मत महिलाओं की होने के बावजूद भी महिलाओं को पर्याप्त प्राथमिकता देने की मांग

अहमदाबाद,१९ मार्च।

आगामी २३ अप्रैल को आयोजित होने वाली लोकसभा चुनाव के लिए गुजरात महिला कांग्रेस में भी तैयारी देखने को मिली है। राज्य में ४८ फीसदी मत महिलाओं की होने के बावजूद भी महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व देने के मामले में भाजपा और कांग्रेस यह दोनों मुख्य राजनीतिक पार्टी विफल गई है, हालांकि जहां तक गुजरात महिला कांग्रेस का प्रश्न है महिला कांग्रेस ने राज्य की सभी २६ सीट पर दावेदारी पेश की गई है। महिला कांग्रेस की तरफ से इस बार लोकसभा चुनाव में महिला उम्मीदवारों को पर्याप्त प्राथमिकता देने की मांग की गई है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा ने चार महिला को टिकट दी गई। जबकि कांग्रेस से सिर्फ एक दाहोद सीट पर से डॉ. प्रभा ताविया़ड को टिकट मिली थी। इस बार दाहोद सीट पर फिर से चुनाव लड़ने की इच्छा डॉ. प्रभा ताविया़ड ने बताये होने का गुजरात महिला कांग्रेस की प्रमुख गायत्रीबहन वाघेला ने बताया। गुजरात महिला कांग्रेस के प्रमुख ने आगे बताया कि, पोरबंदर से डॉ. उर्वशीबहन मणवर, अमरेली से गेनीबहन ठुमर, भावनगर से इलाबहन गोहिल तथा दाहोद से फिलहाल की विधायक चंद्रिकाबहन बारैया ने भी लोकसभा चुनाव के लिए दावेदारी पेश की गई। बनासकांठा लोकसभा सीट के लिए पूर्व सांसद स्व. मुकेश गढवी की धर्मपत्नी क्रिष्णाबहन गढवी और खेडा से सज्ज नबहन ने भी चुनाव लड़ने की इच्छा व्यक्त की है। फिर भी लोकसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस की महिला उम्मीदवारों में उत्साह का माहौल देखने को मिल रहा है इसके साथ कांग्रेस हाइकमान द्वारा इस बार चुनाव में महिला उम्मीदवारों को महिलाओं को पर्याप्त प्राथमिकता देने की मांग की गई है।

राजस्थानी समाज की महिलाओं ने फिलहाल में राष्ट्रवाद के माहौल के बीच विशेष रूप से आर्मी कपड़ों में होली मनाई थी।

खोडलधाम के विवाद में स्थानीय राजनीति गर्मा गई

महिला समिति की प्रमुख सहित कन्वीनर के इस्तीफा

अहमदाबाद। खोडलधाम संस्थानों और एक विवाद सामने आया है। खोडलधाम संस्था से परेश गजेरा ने इस्तीफा देने के बाद अब और एक झटका लगा है। खोडलधाम संस्था में आंतरिक विवाद से परेशान होकर महिला समिति की प्रमुख शर्मिलाबहन बांभणीया सहित कन्वीनरों ने इस्तीफे देने से पाटीदार समाज में सनसनी मच गई। विशेष करके स्थानीय राजनीति गर्मा गई है। नवरात्रि त्यौहार के दौरान यह विवाद शुरू हो गया। आंतरिक विवाद से परेशान होकर महिला समिति की प्रमुख सहित कन्वीनरों ने इस्तीफे देने से खलबली मच गई। महिलाओं को ध्यान में नहीं लिए जाते होने के आरोप के साथ इस्तीफा दिया गया है। उल्लेखनीय है कि खोडलधाम के कार्यक्रमों में संख्या जमा करना और अधिकतर जिम्मेदारी महिला समिति के पास होती है। हालांकि महिलाओं को ध्यान में नहीं लिए जाते होने के आरोप के साथ खोडलधाम महिला समिति की प्रमुख, राजकोट जिला कन्वीनर, वार्ड कन्वीनरों और जोन कन्वीनरों ने इस्तीफा दे दिया है। महिला समिति की प्रमुख के प्रमुख शर्मिलाबहन बांभणीया, कन्वीनर अनिताबहन दुधात्रा, जागृतिबहन घाडिया, ज्योत्सनाबहन टीलाला ने इस्तीफा देने से खोडलधाम संस्था को झटका लगा है। यह महिलाओं के इस्तीफे बाद अन्य कन्वीनरों को रात में ही जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऐसी चर्चा ने जोरों पर है कि जिनको जिम्मेदारी सौंपी गई है यह ज्यादा प्रिय है। यह विवाद को दूर करने के लिए अभी राजकोट में वार्ड वाइज और जोन में कन्वीनरों की टीम बना दी गई है। उल्लेखनीय है कि, खोडलधाम प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को मिली सफलता बाद परेश गजेरा को प्रमुख के तौर पर जिम्मेदारी सौंपी गई है।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ऑफसेट एफपी. 149, प्लोट 26 खोडियार नगर, सिद्धीविनायक मंदिर के पास, (भाटेना) हॉ.सो. अंजना सूरत, गुजरात से मुद्रित, एवं 191 महादेव नगर, हरि नगर-2 के पीछे, उधना, जिला-सूरत, गुजरात से प्रकाशित, संपादक :- सुरेश मौर्या फोन नं. (9879141480) RNI.No. : GUJHIN/2018/75100, E-mail: krantisamay@gmail.com (subject to surat jurisdiction)